पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय
छत्तीसगढ़, बिलासपुर

पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर : हिंदी (एम. ए. पूर्व एवं अंतिम)

Paper Code (MAHIN 01-08)

VERIFIED
REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

27-03-2018

27.3.18

27.03.18

27.3.18

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

उद्देश्य :

एम. ए. हिंदी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम का निर्धारण हिंदी विषय के काव्य, गद्य, नाटक, आलोचना (भारतीय एवं पाश्चात्य) के वैशिष्ट्य का विस्तृत और गहन अध्ययन विद्यार्थी कर सकें इसे ध्यान में रख किया गया है। पाठ्यक्रम निर्धारित करते समय इस बात का ध्यान रखा गया है कि मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा (Open and Distance Education-ODL) के माध्यम से विद्यार्थियों की सहभागिता पाठ्यक्रम में बनी रहे। इस बात का भी ख़याल रखा गया है कि हिंदी के आदि से आधुनिक स्वरूप को विद्यार्थी सहज रूप से ग्राह्य कर सकें, यह भी कि अध्ययन के दौरान विद्यार्थी के मनोभाव केवल ज्ञानार्जन तक सीमित न रहे बल्कि निर्धारित पाठ्यक्रम से हिंदी के सैद्धांतिक पक्ष को अक्षुण्य रखते हुए भी विद्यार्थी रचनाशील बन सके, ताकि साहित्य और समाज का अंतर्संबंध स्थापित करते हुए समाज को सुदृढ़ और विकसित बनाया जा सके। इस उद्देश्य की पूर्ति और विद्यार्थी की अध्ययन सुविधा के लिए विश्वविद्यालय द्वारा स्व-अध्ययन सामग्री (SLM) निर्माण करायी जाए। इस पाठ्यक्रम में आठ प्रश्न-पत्र हैं, प्रत्येक प्रश्न-पत्र हेतु आठ क्रेडिट निर्धारित किए गए हैं। इस पाठ्यक्रम में प्रत्येक प्रश्न-पत्र हेतु कुल 100 अंक निर्धारित हैं।

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम : हिंदी (एम.ए. पूर्व)

एम. ए. हिंदी पूर्व में चार प्रश्न-पत्र होंगे। इन प्रश्न-पत्रों में हिंदी के आदिकालीन काव्य, हिंदी साहित्य का इतिहास, आधुनिक काव्य तथा काव्यशास्त्र एवं समालोचना का विस्तृत और गहन अध्ययन अपेक्षित है। विद्यार्थियों से इस बात की अपेक्षा भी है वे गुणात्मक उच्च-शिक्षा प्राप्त करने के लिए निर्धारित शिक्षण-पद्धति का अनुशरण कर हिंदी भाषा, साहित्य को आसानी से समझ सकें। इस बात पर भी जोर है कि विद्यार्थी रचना और पाठ के साथ-साथ विषय के सैद्धांतिक पक्ष को केंद्र में रख गहन अध्ययन हेतु प्रवृत्त हों।

प्रथम प्रश्न-पत्र

आदि एवं मध्यकालीन काव्य

इकाई - १

आदिकालीन काव्य

चन्दवरदाई का काव्य : पृथ्वीराज रासो - चन्दबरदाई (सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं नामवर सिंह) का इन्द्रावती व्याह (समय 33) चन्दवरदाई के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना-पक्ष,

विद्यापति का काव्य : कीर्तिलता - विद्यापति (सं. शिवप्रसाद सिंह) द्वितीय पल्लव, विद्यापति पदावली-विद्यापति (सं. शिवप्रसाद सिंह) के 30 पद (1, 3, 4, 5, 8, 9, 10, 11, 12, 14, 16, 18, 19, 23, 26, 36, 47, 51, 52, 53, 54, 58, 61, 78, 79, 81, 82, 94, 95, 102) विद्यापति के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना-पक्ष।

VERIFIED

Ruchi Tripathi 27.03.2018

27.3.18

27.3.18

27.03.18

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

इकाई - २

निर्गुण काव्य

कबीर का काव्य : कबीर ग्रंथावली - (सं. श्यामसुन्दर दास) साखी के विरह कौं अंग, निहकर्मी पतिव्रता कौं अंक के 25 पद (1, 2, 3, 4, 5, 11, 12, 16, 21, 31, 32, 39, 40, 41, 48, 51, 59, 65, 72, 111, 122, 124, 130, 133, 137) कबीर के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना-पक्ष, जायसी का काव्य : जायसी ग्रंथावली - मलिक मुहम्मद जायसी (सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) का नखशिख, मानसरोदक, नागमती विरह खंड, जायसी के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना-पक्ष।

इकाई - ३

सगुण भक्ति काव्य

तुलसीदास का काव्य : रामचरित मानस - तुलसीदास (गीता प्रेस संस्करण) से बालकांड (दोहा सं. 43 तक) अयोध्याकांड (दोहा सं. 272-292 तक) उत्तरकांड (दोहा सं. 103 - 130 तक) तुलसीदास के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना-पक्ष,

सूरदास का काव्य : भ्रमरगीत सार - सूरदास (सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) के 25 पद (2, 7, 8, 9, 10, 14, 16, 20, 21, 23, 24, 25, 27, 28, 29, 34, 38, 41, 42, 43, 44, 51, 52, 53, 54) सूरदास के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना-पक्ष,

मीरा का काव्य : मीरा का काव्य - मीरा (सं. विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन) के 15 पद (पद सं. मण थें परस हरि रे चरण, जनक हरि, आली री म्हारे णेणां बाण पड़ी, म्हां गिरधर आगा नाच्यारी, म्हांरा री गिरधर गोपाल, माई सांवरे रंग राची, मैं कगरधर के घर जाऊं, माई री म्हाँ लियां गोविदाँ मोल, माई म्हाणे सुपणा माँ, यें मत बरजां माइरी, नहिं सुख भावै थांरो देसलड़ो रंगरूड़ो, राणाजी म्हाने या बदनामी लागै मीठी, पग बांध घूँघर : या णच्यारी, राणाजी थे जहर दियो म्हे जाणी, सखी म्हारी नींद नसाणी हो, या ब्रज में कछू देख्यो री टोना) मीरा के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना-पक्ष।

इकाई - ४

रीतिकालीन काव्य

केशवदास : रामचंद्रिका - केशवदास केशव कौमुदी (प्रथम भाग) सं. लाला भगवानदीन (11वाँ प्रकाश छंद सं. 1- 41 तक और 12 वाँ प्रकाश के छंद सं. 1- 50 तक)

बिहारी का काव्य : बिहारी (सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) 25 दोहे (दोहा सं. 1, 2, 3, 4, 6, 9, 11, 13, 14, 19, 20, 26, 27, 30, 31, 32, 34, 35, 36, 38, 40, 41, 42, 43, 47) बिहारी के काव्य का अनुभूति और अभिव्यंजना-पक्ष.

VERIFIED

घनानन्द का काव्य : घनानंद कवित्त - सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र के 23 छंद (छंद सं. 19, 20, 21, 22, 23, 25, 29, 39, 43, 50, 51, 57, 59, 66, 68, 70, 71, 82, 84, 86, 87, 94, 97) घनानन्द के

Ruchi Tripathi 27.03.2018

27.3.18

27.03.18

27.03.18

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

काव्य का अनुभूति और अभिव्यंजना-पक्ष, भूषण का काव्य, भूषण के काव्य का अनुभूति और अभिव्यंजना-पक्ष।

विचारणीय बिंदु :

- प्राचीन, मध्यकालीन और रीतिकालीन हिंदी काव्य और उसका स्वरूप
- हिंदी काव्य का प्राचीन और प्रबंधात्मक रूप
- प्रबंधात्मक काव्य तथा भक्तिकालीन काव्य और समाज
- आख्यान और काव्य के विविध रूप

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. पृथ्वीराज रासो - चन्दबरदाई (सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं नामवर सिंह)
2. कीर्तिलता - विद्यापति (सं. शिवप्रसाद सिंह)
3. कबीर ग्रंथावली - (सं. श्यामसुन्दर दास)
4. जायसी ग्रंथावली - मलिक मुहम्मद जायसी (सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल)
5. रामचरित मानस - तुलसीदास (गीता प्रेस संस्करण)
6. भ्रमरगीत सार - सूरदास (सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल)
7. रामचंद्रिका - केशवदास केशव कौमुदी (प्रथम भाग) सं. लाला भगवानदीन
8. बिहारी - सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
9. घनानंद कवित्त - सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
10. पृथ्वीराज रासो - नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
11. पृथ्वीराज रासो की भाषा - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
12. हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
13. विद्यापति - शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
14. कीर्तिलता और अवहट्ठ भाषा साहित्य - शिवप्रसाद सिंह, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद
15. कबीर ग्रंथावली - सं. श्यामसुन्दर दास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
16. हिन्दी काव्य में निर्गुण संप्रदाय - पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल, अवध पब्लिशिंग, लखनऊ
17. कबीर - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
18. जायसी ग्रंथावली (भूमिका) - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
19. पद्मावत - मलिक मुहम्मद जायसी, व्याख्याकार वासुदेवशरण अग्रवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
20. जायसी - विजयदेव नारायण साही, हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
21. जायसी - परमानंद श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
22. हिंदी के सूफी प्रेमाख्यान - परशुराम चतुर्वेदी, हिंदी ग्रंथ रत्नाकर, बम्बई

VERIFIED

Ruchi Tripathi 27-03-2018

27.3.18

27.3.18

27.03.18

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

23. हिंदी काव्य की निर्गुण धारा में भक्ति - श्यामसुन्दर दास
24. हिंदी काव्यधारा - राहुल सांकृत्यायन
25. आदिकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
26. राजस्थानी भाषा और साहित्य - मोतीलाल मेनारिया
27. गोस्वामी तुलसीदास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
28. गोसाईं तुलसीदास - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, वाराणसी
29. गोस्वामी तुलसीदास - माताप्रसाद गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
30. श्री रामचरितमानस - हनुमान प्रसाद पोद्दार, गीताप्रेस, गोरखपुर
31. तुलसी काव्य मीमांसा - डॉ. उदयभानु सिंह
32. भ्रमरगीत सार - सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
33. सूरसाहित्य - हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिंदी ग्रंथ रत्नाकर, बम्बई
34. सूरदास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
35. सूरसागर - नंददुलारे वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
36. आंदोलन और सूरदास का काव्य - मैनेजर पाण्डेय, वाजी प्रकाशन, दिल्ली
37. मीरीबाई की पदावली - परशुराम चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
38. मीरा का काव्य - विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
39. भक्ति काल का आधुनिक सन्दर्भ - संतोष कुमार चतुर्वेदी, साहित्य भंडार, इलाहाबाद
40. भक्ति आंदोलन और लोक जीवन - शिवकुमार मिश्र, पीपुल्स लिट्रेसी प्रकाशन, दिल्ली
41. बिहारी सतसई - सं. सुधाकर पाण्डेय, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
42. बिहारी - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर प्रकाशन, वाराणसी
43. बिहारी का नया मूल्यांकन - बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
44. पद्माकर ग्रंथावली - विश्वनाथ प्रसाद
45. रीतिकाल की भूमिका - नगेन्द्र
46. रीतिकालीन कवियों की प्रेमव्यंजना - बच्चन सिंह, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
47. केशव का आचार्यत्व - विजयपाल सिंह, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली
48. बिहारी का मूल्यांकन - बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
49. घनानन्द और स्वच्छंद काव्यधारा - मनोहर लाल गौड़ नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

VERIFIED

27.03.18

Ruchi Tripathi 27-03-2018

27-3-18

27.03.18

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

द्वितीय प्रश्न-पत्र

आधुनिक काव्य

इकाई - १

द्विवेदी युगीन काव्य - मैथिलीशरण गुप्त का काव्य (साकेत, अष्टम् सर्ग) मैथिलीशरण गुप्त के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना-पक्ष।

इकाई - २

छायावादी युग - जयशंकर प्रसाद का काव्य (कामायनी के चिंता, आशा, श्रद्धा सर्ग) जयशंकर प्रसाद के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना-पक्ष सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' का काव्य (जूही की कली, राम की शक्ति पूजा, तुलसीदास - प्रथम 10 छंद), सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना-पक्ष, महादेवी वर्मा का काव्य, महादेवी वर्मा के काव्य (नीहार (तुम), साध्यगीत, दीपशिखा, जब यह दीप थके तब), सुमित्रनन्दन पंत का काव्य (प्रथम रश्मि, नौका विहार, भारत माता, बादल, अनामिका के कवि के प्रति) सुमित्रनन्दन पंत के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना-पक्ष।

इकाई - ३

राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्य - दिनकर का काव्य (कुरूक्षेत्र - छठा सर्ग) हरिवंशराय बच्चन का काव्य (मधुशाला, मिलन यामिनी) हरिवंशराय बच्चन के काव्य का अनुभूति एवं अभिव्यंजना-पक्ष, पं. माखनलाल चतुर्वेदी का काव्य (सुमनों के प्रति), बाल कृष्ण शर्मा 'नवीन' का काव्य, सुभद्राकुमारी चौहान का काव्य, नरेन्द्र शर्मा का काव्य।

इकाई - ४

नई कविता - नागार्जुन का काव्य (कालीदास के प्रति, बादल को घिरते देखा है, हरिजन-गाथा) नागार्जुन के काव्य का अनुभूति और अभिव्यंजना-पक्ष, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यान 'अज्ञेय' का काव्य (असाध्य वीणा), अनुभूति और अभिव्यंजना-पक्ष, दुष्यंत का काव्य (साये में धूप) दुष्यंत के काव्य का अनुभूति और अभिव्यंजना-पक्ष, रघुवीर सहाय का काव्य (रामदास, दुनिया, मुझे कुछ और करना था, पैदल आदमी, अधिनायक, दयाशंकर, आत्महत्या के विरुद्ध) रघुवीर सहाय के काव्य का अनुभूति और अभिव्यंजना-पक्ष।

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. जयशंकर प्रसाद - नंददुलारे वाजपेयी, भारती भंडार, इलाहाबाद
2. कामायनी - एक पुनर्विचार - मुक्तिबोधा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. निराला की साहित्य साधना - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. सुमित्रानन्दन पन्त - डॉ. नगेन्द्र
5. छायावाद - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. कविता के नए प्रतिमान - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ - नामवर सिंह

VERIFIED

Ruchi Tripathi 27.03.2018

27.3.18

27.03.18

27.03.18

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

8. हिन्दी साहित्य का आधुनिक परिदृश्य - अज्ञेय
9. नागार्जुन का रचना संसार - विजय बहादुर सिंह
10. हिन्दी आलोचना का उत्तर आधुनिक विमर्श - कृष्णदत्त पालीवाल, यश एजुकेशन, दिल्ली
11. मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना - नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
12. नयी कविता और अस्तित्ववाद - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
13. समकालीन हिन्दी कविता - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
14. समकालीन कविता का यथार्थ - परमानंद श्रीवास्तव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी

तृतीय प्रश्न -पत्र

हिंदी साहित्य का इतिहास

इकाई - १

हिंदी साहित्य के इतिहास की भूमिका और आदिकाल - आदिकालीन काल विभाजन, नामकरण एवं काल निर्धारण, आदिकालीन काव्य की परिस्थितियाँ, नाथ, सिद्ध और जैन साहित्य, रासो काव्य एवं लौकिक साहित्य।

इकाई - २

भक्तिकालीन काव्य - भक्तिकालीन काव्य की परिस्थितियाँ, निर्गुण भक्तिकाल - ज्ञानमार्गी संत काव्यधारा, निर्गुण, भक्तिकाल - प्रेममार्गी सूफी काव्यधारा, सगुण भक्तिकाल - कृष्ण भक्ति काव्यधारा, सगुण भक्तिकाल - राम भक्ति काव्य।

इकाई - ३

रीतिकालीन काव्य, आधुनिक काव्य -१ -रीतिकालीन काव्य की परिस्थिति, रीतिकालीन कविता का स्वरूप - रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य, आधुनिक काव्य की पृष्ठभूमि, भारतेन्दु-युग का काव्य, द्विवेदी-युग का काव्य, छायावाद।

इकाई - ४

आधुनिक काव्य - २, आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य - उत्तर छायावादी कविता, प्रगतिवादी काव्य, प्रयोगवाद और नयी कविता, समकालीन कविता, हिंदी कथा-साहित्य, हिंदी नाट्य साहित्य, हिंदी आलोचना, निबंध, अन्य गद्य विधाएँ।

VERIFIED

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

Ruchi Tripathi 27.03.2018

27.05.18

27.03.18

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

2. नाथ संप्रदाय - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिन्दी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य का आदिकाल - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. रामकुमार वर्मा,
7. हिन्दी साहित्य - डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
8. रीतिकाल की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र
9. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाबाद
10. हिन्दी साहित्य का अतीत - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
11. हिन्दी साहित्य का वृहद इतिहास - नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
12. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
13. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
14. हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हॉउस, दिल्ली
15. साहित्य और इतिहास दृष्टि - मैनेजर पाण्डेय, पीपुल्स लिटरेसी, दिल्ली
16. हिन्दी साहित्य का विवेचनपरक इतिहास - मोहन अवस्थी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
17. भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य - शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

चतुर्थ प्रश्न -पत्र

काव्यशास्त्र एवं समालोचना

इकाई - १

काव्य की अवधारणा - काव्य की परिभाषा तथा लक्षण, काव्य के भेद : प्रबंध काव्य, मुक्तक काव्य, काव्य प्रेरणा व काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य गुण।

इकाई - २

VERIFIED

भारतीय काव्यशास्त्र : प्रमुख संप्रदाय, रस चिंतन के विविधा आयाम - भारतीय काव्यशास्त्र का परिचय, भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख संप्रदाय- 1. रस, 2. रीति, अलंकार व औचित्य, 3. ध्वनि व वक्रोक्ति, रस की परिभाषा, रस सिद्धांत, साधारणीकरण।

Ruchi Tripathi 27.03.2018   27.3.18   27.03.18   27.03.18

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

इकाई ३

पाश्चात्य काव्यशास्त्र : प्रमुख संप्रदाय, साहित्य सिद्धांत और प्रमुख विचारधाराएँ अरस्तू, इलियट, मार्क्स का साहित्य चिंतन, क्रोचे का अभिव्यंजनवाद, फ्रॉयड का मनोविश्लेषण, वर्डस्वर्थ का साहित्य चिंतन, आई. ए. रिचर्ड्स का साहित्य चिंतन, अस्तित्ववाद, अभिजात्यवाद व स्वच्छंदतावाद, आधुनिकतावाद, उत्तर-आधुनिकतावाद।

इकाई - ४

समालोचना (सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक) - हिंदी आलोचना का उद्भव व विकास, हिंदी का आलोचना शास्त्र-1, पाठालोचन सैद्धांतिक व ऐतिहासिक आलोचना, हिंदी का आलोचना शास्त्र-2, प्रगतिशील, शास्त्रीय, रीतिवादी व स्वच्छंदतावादी आलोचना, हिंदी का आलोचना शास्त्र-3, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. नगेन्द्र, डॉ. रामविलास शर्मा के आलोचनात्मक सिद्धांत एवं नई समीक्षा।

विचारणीय बिंदु :

इसमें भारतीय तथा पाश्चात्य साहित्यिक-सिद्धांतों का अध्ययन किया जाना है। काव्य की मूल अवधारणा, भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों, विचारों का अध्ययन अपेक्षित रहेगा। पाश्चात्य काव्य शास्त्रीय सिद्धांत हिंदी में किस तरह प्रासंगिक हैं तथा संस्कृत काव्यशास्त्र का हिंदी काव्य शास्त्र के विकास में योगदान, हिंदी समालोचना को जान सकें यह अपेक्षा है।

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास - डॉ. सुशील कुमार डे, अनुवादक श्री मायाराम शमा, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना
2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत - डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
3. पाश्चात्य काव्य शास्त्र, इतिहास, सिद्धांत एवं वाद - डॉ. भगीरथ मिश्र
4. भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
5. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - देवेन्द्र शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हॉउस, दिल्ली
7. आलोचक और आलोचना - बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हॉउस, दिल्ली
8. पाश्चात्य समीक्षा शास्त्र : सिद्धांत और परिदृश्य, डॉ. नगेन्द्र

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

9. कविता के नये प्रतिमान - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन
10. आलोचना के बीज - बच्चन सिंह
11. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका - मैनेजर पांडेय, हरियाणा ग्रंथ अकादमी
12. हिंदी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
13. हिंदी आलोचना का विकास - नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
14. रामचन्द्र शुक्ल और हिंदी आलोचना - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
15. रस मीमांसा - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
16. अरस्तू का काव्यशास्त्र - सं. नगेन्द्र
17. प्लेटो के काव्य-सिद्धांत - निर्मला जैन
18. मार्क्सवाद - यशपाल, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
19. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम : हिंदी (एम.ए. अंतिम)

एम. ए. हिंदी अंतिम वर्ष में चार प्रश्न-पत्र होंगे। इन प्रश्न-पत्रों में हिंदी के नाटक और काव्येतर गद्य, कथा-साहित्य, भाषा-विज्ञान, आधुनिक हिंदी कविता और गीत परंपरा का विस्तृत और गहन अध्ययन अपेक्षित है। विद्यार्थियों से अपेक्षा है कि वे रचना और पाठ के साथ-साथ विषय के सैद्धांतिक पक्ष को केंद्र में रख गहन अध्ययन हेतु प्रवृत्त हो सकेंगे।

पंचम् प्रश्न -पत्र

नाटक और काव्येतर गद्य

इकाई - १

नाटक व रंगमंच : सैद्धांतिक विवेचन, जयशंकर प्रसाद कृत चन्द्रगुप्त - नाटक का स्वरूप तत्त्व व रंगमंच, हिंदी नाटक की परंपरा और विकास। जयशंकर प्रसाद का नाट्य साहित्य, चन्द्रगुप्त : कथावस्तु, पात्र संरचना व प्रतिपाद्य।

VERIFIED

इकाई - २

धर्मवीर भारती कृत 'अंधा युग', मोहन राकेश कृत 'आधे-अधूरे', जगदीश चन्द्र माथुर कृत 'कोर्णाक' - धर्मवीर भारती की नाट्य दृष्टि और नाट्य साहित्य, अंधा युग में कथावस्तु और

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

चरित्र-चित्रण, गीतिनाट्य के रूप में 'अंधा युग', मोहन राकेश : नाट्य दृष्टि व उनके नाटक, आधे-अधूरे : एक विवेचन, आधे-अधूरे : रंगमंचीय विधान, कोर्णाक - जगदीश चन्द्र माथुर की कथावस्तु और रंगमंचीय विधान।

इकाई - ३

निबंध और कथेतर गद्य साहित्य - निबंध-साहित्य की परंपरा व विकास, कथेतर गद्य विधाओं की परंपरा व विकास ।

इकाई - ४

प्रमुख निबंध और कथेतर गद्य विधाएँ- बालमुकुन्द गुप्त कृत 'एक दुराशा', रामचन्द्र शुक्ल कृत 'काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था', हजारी प्रसाद द्विवेदी कृत 'अशोक के फूल', विद्यानिवास मिश्र कृत 'मेरे राम का मुकुट भींग रहा है', हरिशंकर परसाई कृत 'ठिठुरता हुआ गणतन्त्र', की व्यंग चेतना, महादेवी वर्मा कृत 'भाभी' (रेखाचित्र), अज्ञेय कृत संस्मरण 'प्रेमचन्द'(स्मृति लेखा से), राहुल सांकृत्यायन घुमक्कड़ शास्त्र (यात्रा वृतान्त), रांगेय राघव कृत रिपोर्ताज 'अंधकार' (तुफानों के बीच में), निर्मल वर्मा कृत 'चीड़ों पर चाँदनी' (यात्रा वृतान्त का एक अंश), पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' कृत 'अपनी खबर' (आत्मकथा), विष्णु प्रभाकर कृत 'आवारा मसीहा' (जीवनी) के एक अंश का अध्ययन व विवेचन।

विचारणीय बिंदु :

काव्य, गद्य विधाओं के अलावा नाटकों के अध्ययन के लिए एक ऐसी शिक्षण पद्धति विकसित करना जिससे विद्यार्थी हिंदी नाटकों का गहराई से अध्ययन कर सकें। इसमें भारतीय नाट्य परंपरा के साथ विदेशी भाषाओं के नाटकों का हिंदी नाटकों पर प्रभाव का परिचय प्राप्त हो, यह अपेक्षा भी होगी। अन्य भाषाओं में रचे गए नाटकों का अनुदित नाटक तथा नाटक के सिद्धांत और शास्त्रीय विकास की चर्चा साथ ही हिंदी काव्येत्तर गद्य विधाओं का अध्ययन अपेक्षित है।

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. नाट्यशास्त्र - भरतमुनि
2. पारंपरिक भारतीय रंगमंच - कपिला वात्स्यायन
3. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास - डॉ. दशरथ ओझा
4. भारतीय नाट्य साहित्य - डॉ. नगेन्द्र
5. नाट्यशास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपमक - हजारी प्रसाद द्विवेदी
6. आधुनिक हिन्दी नाटक - डॉ. नगेन्द्र

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

7. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच - नेमिचंद्र जैन
8. भारतेंदु हरिशचन्द्र - रामविलास शर्मा
9. जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता - प्रभाकर श्रोत्रिय
10. मोहन राकेश और उनके नाटक - गिरीश रस्तोगी
11. मोहन राकेश के संपूर्ण नाटक - नेमिचन्द्र जैन
12. आज का हिन्दी नाटक : प्रगति और प्रभाव - दशरथ ओझा
13. हिन्दी नाटक सिद्धांत और विवेचन - डॉ. गिरीश रस्तोगी
14. हिन्दी नाटक : मिथक और यथार्थ - रमेश गौतम
15. भारत की हिंदी नाट्य संस्थाएँ एवं नाट्यशालाएँ - विश्वनाथ शर्मा
16. हिन्दी एकांकी : उद्भव और विकास - रामचरण महेन्द्र
17. आज के रंग नाटक - इब्राहिम अल्काज़ी

षष्ठ प्रश्न -पत्र

कथा-साहित्य

इकाई - १

हिंदी उपन्यास : सैद्धांतिक विवेचन- उपन्यास का स्वरूप और वर्गीकरण, उपन्यास परंपरा और विकास का संक्षिप्त परिचय।

हिंदी उपन्यास : सैद्धांतिक विवेचन, प्रेमचन्द और गोदान - उपन्यास : परिभाषा, स्वरूप व प्रकार, उपन्यास की परंपरा और विकास। प्रेमचन्द की औपन्यासिक दृष्टि व उनके उपन्यास, गोदान : कथावस्तु, चरित्र व शिल्प विवेचन, गोदान का प्रतिपाद्य।

इकाई - २

अज्ञेय और शेखर एक जीवनी - अज्ञेय की औपन्यासिक दृष्टि व उनके उपन्यास 'शेखर एक जीवनी' का संवेदना व शिल्प तथा मनोवैज्ञानिक अध्ययन।

इकाई - ३

कृष्णा सोबती और 'समय सरगम', - कृष्णा सोबती की औपन्यासिक दृष्टि व उनके उपन्यास, समय सरगम : संवेदना व शिल्प, समय सरगम का प्रतिपाद्य। उपन्यास 'सीता पुनि बोली' - मृदुला सिन्हा की कथावस्तु।

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

इकाई - ४

हिंदी कहानी : सैद्धांतिक विवेचन- कहानी का स्वरूप और वर्गीकरण, कहानी की परंपरा और विकास।

हिंदी कहानियों का विशिष्ट अध्ययन - चन्द्रधर शर्मा गुलेरी कृत 'उसने कहा था' प्रेमचन्द कृत 'कफ़न', जयशंकर प्रसाद कृत 'पुरस्कार', जैनेन्द्र कृत 'पत्नी', यशपाल की 'महाराजा', डॉ. धर्मवीर भारती कृत 'बंद गली का आखरी मकान', फणीश्वरनाथ रेणु कृत 'लाल पान की बेगम', अमरकान्त कृत 'जिन्दगी और जोंक', ज्ञानरंजन कृत 'पिता', राजेन्द्र यादव की 'टूटना', चित्र मुदगल कृत 'गेंद', उषा प्रियम्बदा कृत 'जिन्दगी व गुलाब' कृष्णा सोबती कृत 'सिक्का बदल गया' का अध्ययन व विवेचन।

विचारणीय बिंदु :

इस प्रश्न-पत्र में उपन्यास और कहानी के विकासक्रम, पाठ्यक्रम में निर्धारित उपन्यासों, कहानियों का अध्ययन, हिंदी उपन्यास, कहानी को लेकर हिंदी में विकसित आलोचनात्मक दृष्टि तथा तुलनात्मक अध्ययन अपेक्षित रहेगा।

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी उपन्यास का इतिहास - गोपाल राय
2. आज का हिन्दी उपन्यास - इंद्रनाथ मदान
3. हिन्दी उपन्यास का विकास - मधुरेश
4. उपन्यास : स्वरूप और संवेदना - राजेन्द्र यादव
5. हिन्दी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा - रामदरश मिश्र
6. प्रेमचन्द्र और उनका युग - रामविलास शर्मा
7. हिन्दी उपन्यास : पहचान और परख - इंद्रनाथ मदान
8. हिन्दी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ - शशिभूषण सिंघल
9. हिन्दी कहानी : एक अंतरंग पहचान - रामदरश मिश्र
10. एक दुनिया समनांतर : राजेन्द्र यादव
11. एक साहित्यिक की डायरी - मुक्तिबोध
12. समकालीन कहानी की पहचान - नरेन्द्र मोहन

VERIFIED

27.03.2018

27.3.18

27.03.18

27.03.18

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

सप्तम् प्रश्न -पत्र

भाषा-विज्ञान

इकाई - १

भाषा और भाषा-विज्ञान : एक परिचय - भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा का उद्गम और विकास, भाषा संरचना और भाषिक कार्य, भाषा-विज्ञान परिभाषा, क्षेत्र और अध्ययन की पद्धतियाँ, भाषा-विज्ञान और सामाजिक विज्ञान, भाषा-विज्ञान के अध्ययन की भारतीय परंपरा एवं पाश्चात्य परंपरा का संक्षिप्त परिचय।

इकाई - २

भाषा और भाषिक संरचना - ध्वनि संरचना, ध्वनि प्रक्रिया, रूप संरचना : रूप की अवधारणा, वाक्य संरचना, अर्थ संरचना, लिपि का उद्भव एवं विकास और नागरी लिपि, हिंदी की शब्द संपदा।

इकाई - ३

भाषा परिवार और हिंदी - विश्व के प्रमुख भाषा परिवार, भारोपीय भाषा परिवार, प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का परिचय, हिंदी का उद्भव एवं विकास।

इकाई - ४

हिंदी और उसके विभिन्न रूप - हिंदी के विभिन्न रूप और उनके प्रकार्य, हिंदी की वैधानिक स्थिति, अनुप्रयुक्त भाषा-विज्ञान, भाषा शिक्षण और शैली-विज्ञान : उद्भव एवं विकास, शैली-विज्ञान : प्रतिमान एवं प्रक्रिया, क्षेत्र और अन्य अनुशासनों से संबंध।

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. भारतीय आर्यभाषा और हिंदी - सुनीति कुमार चटर्जी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. पालि साहित्य का इतिहास - राहुल सांकृत्यायन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. पालि महाव्याकरण - भिक्षु जगदीश कश्यप, बोधी महासभा, सारनाथ वाराणसी
5. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योग - नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. पालि साहित्य का इतिहा - भरत सिंह उपाध्याय, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
7. पुरानी हिन्दी - चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
8. भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
9. हिन्दी भाषा का संक्षिप्त इतिहास - भोलानाथ तिवारी

VERIFIED

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

10. हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास - उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार, इलाहाबाद
11. हिन्दी भाषा का इतिहास - धीरेन्द्र वर्मा
12. भाषाशास्त्र की रूपरेखा - उदयनारायण तिवारी
13. सामान्य भाषाविज्ञान - बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
14. भारतीय भाषा समस्या - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
15. भाषा और समाज - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
16. नागरी लिपि : हिन्दी और वर्तनी - अनंत चौधरी, दिल्ली माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली
17. राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्या और समाधान - देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

अष्ठम् प्रश्न -पत्र

आधुनिक हिंदी कविता और गीत परंपरा

इकाई - १

आधुनिक हिंदी कविता परंपरा व विकास - नई कविता और समकालीन कविता : परंपरा और विकास, शमशेर बहादुर सिंह की रचनाएँ, शमशेर बहादुर सिंह का काव्य, मुक्तिबोध का काव्य (भूल-ग़लती, ब्रह्मराक्षस, चाँद का मुँह टेढ़ा है), नरेश मेहता काव्य (महाप्रस्थान - यात्रा और स्वाहा पर्व), संवेदना और शिल्प विवेचन।

इकाई - २

गिरिजा कुमार माथुर का काव्य : संवेदना और शिल्प विवेचन, भवानी प्रसाद मिश्र (सतपुड़ा के घने जंगल, बरसात आ गई रे, यहीं कहीं एक कच्ची सड़क थी) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना का काव्य : संवेदना और शिल्प विवेचन।

इकाई - ३

धर्मवीर भारती का काव्य : कानुप्रिया 'आम्रबौर का अर्थ' और 'समुद्र स्वप्न', धर्मवीर भारती का काव्य : अनुभूति और अभिव्यंजना-पक्ष, अशोक वाजपेयी का काव्य : संवेदना और शिल्प विवेचन, नन्दकिशोर आचार्य का काव्य : संवेदना और शिल्प विवेचन।

VERIFIED

इकाई - ४

आधुनिक हिंदी गीत परंपरा व विकास - गीत संरचना : स्वरूप और परंपरा, सोहन लाल द्विवेदी का गीत : संवेदना व शिल्प, वीरेन्द्र मिश्र के गीत : संवेदना और शिल्प विवेचन, शंभूनाथ सिंह का काव्य : संवेदना और शिल्प विवेचन, गोपालदास 'नीरज' के गीत : संवेदना और शिल्प विवेचन, बालस्वरूप राही के गीत : संवेदना और शिल्प विवेचन, रमानाथ अवस्थी के गीत : संवेदना और शिल्प विवेचन।

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

विचारणीय बिंदु :

काव्य और गीत प्रत्येक काल में साहित्य का स्वाभाव रहा है। कविता और गीत परंपरा के चले आ रहे इस रूप की विविधता से साहित्येतिहास की विशिष्टताओं को समझने का प्रयास इस प्रश्न-पत्र में अपेक्षित है।

अनुशंसित सहायक ग्रंथ :

1. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - नामवर सिंह
2. दूसरी परंपरा की खोज - नामवर सिंह
3. कहानी : नई कहानी - नामवर सिंह
4. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति - देवीशंकर अवस्थी
5. नई कहानी की भूमिका - कमलेश्वर
6. कवि परंपरा तुलसी से त्रिलोचन- प्रभाकर श्रोत्रिय, ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली
7. प्रसाद-निराला-अज्ञेय - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

+++

Ruchi Tripathi 27-03-2018

27.3.18

27.03.18

27.03.18

VERIFIED

REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open) University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur